Title: Regarding derailment of 2402 DN Shramjeevi Express near Manikala halt in Jaunpur Distt. in Uttar Pradesh.

श्री चन्द्रनाथ सिंह (मछलीशहर) : अध्यक्ष महोदय, कल खेतासराय-मेहरावॉ सैक्शन में मनीहाल्ट के पास जौनपुर जिले में श्रमजीवी एक्सप्रेस के 13 डिब्बे पटरी से उतर गए जिससे 12 लोग मर गए और सौ लोग घायल हो गए। रेल मंत्री श्री नीतीश कुमार घटना स्थल पर गए और उन्होंने कहा कि इस संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता कि किसी अराजक तत्व का इस दुर्घटना में हाथ है। यह एक बहुत बड़ी दुर्घटना है।

SHRI S. JAIPAL REDDY : Sir, you are our hon. Speaker. We are also senior Members here. The point I am making isâ€¦...(*Interruptions*)

SHRI VAIKO : Sir, if you are allowing him, then please give me a chance. ...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Nobody can stop our voice. ...(*Interruptions*) It cannot be dictated by the Treasury Benches. ...(*Interruptions*)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL : Sir, I am on a point of order.â€¦ (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: There is no point of order during 'Zero Hour'.

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: Sir, there is an alliance between the Government and those persons with dubious character. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri C.N. Singh says. Please make it a point.

*(Interruptions) â€¦**

MR. SPEAKER: The practice is that during 'Zero Hour', there is no point of order. That is the convention. Therefore, I would request you not to raise a point of order during 'Zero Hour'. I have decided to allow you. When your name is called, you can have your say. I have no objection to that.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri C.N. Singh, you complete your submission.

श्री चन्द्रनाथ सिंह : अध्यक्ष जी, बहुत-बहुत धन्यवाद। स्वामी चिन्मयानंनद जी कह रहे हैं कि उनका क्षेत्र है। जौनपुर मेरा भी जनपद है। नीतीश कुमार जी और रेलवे बोर्ड के चेयरमैन घटना स्थल पर गये थे। उन्होंने कहा है कि इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि किसी अराजक तत्वों का इस घटना में हाथ हो। यह इतना गंभीर मामला है कि अगर अराजक तत्वों ने रेल की पटरी तोड़ी है, इसका मतलब यह है कि हिन्दुस्तान का कोई व्यक्ति रेलगाड़ी पर चलने के लिये सुरक्षित नहीं है। अगर इस तरह से अराजक तत्वों द्वारा रेल पटरी तोड़ी गई है तो ऐसे महत्वपूर्ण मामले पर रेल मंत्री जी को यहां उपस्थित रहकर बयान देना चाहिये था और पूरे सदन को अवगत कराना चाहिये था....

* Not Recorded

श्री चन्द्रनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, इस दुर्घटना में 12 लोग मर गये और 100 से ज्यादा घायल हो गये हैं। हम टी.वी. पर देख रहे थे कि किस तरह से दिल्ली, लखनऊ और पटना तथा देश के तमाम हिस्सों में अफरा-तफरी मची हुई थी। उनके परिवार के लोग व्याकुल थे। उन्हें यह पता नहीं चल रहा था कि उनके परिवार के लोग मर गये हैं या बच गये हैं या किस रूप में घायल हुये हैं। सही जानकारी देने के लिये कोई रेल अधिकारी उपलब्ध नहीं था। उनकी कोई व्यवस्था नहीं थी। लोग टेलीफोन मिलाते थे लेकिन टेलीफोन उठाने वाला कोई नहीं होता था। पैसेंजर्स के घर के लोग परेशान थे। इतनी अव्यवस्था पहले कभी नहीं देखी गई थी। पहले भी दुर्घटनायें हुई हैं। सरकार की तरफ से बहुत लापरवाही बरती गई है।

अध्यक्ष महोदय : जब मंत्री जी का स्टेटमेंट आयेगा, तब आप सुनियेगा।

श्री चन्द्रनाथ सिंह : अध्यक्ष जी, स्व. लाल बहादुर शास्त्री ने इस्तीफा दे दिया था, मंत्री जी इनकार कर रहे हैं कि वे इस्तीफा नहीं देंगे। या तो यह दुर्घटना रेल की पटरी अराजक तत्वों द्वारा तोड़ने से हुई है या पुल कमज़ोर था और अधिकारियों ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया..

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमने इस विाय पर एडजर्नमेंट नोटिस दिया हुआ है।

श्री चन्द्रनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, जो सप्लायर्स होतें हैं, उन्होने घटिया सामान लगाया था। पुल इतना कमज़ोर था कि गाड़ी की स्पीड 20 कि.मी. प्रति घंटा रही और पटरी पहले से खराब थी। अधिकारियों को पहले से सूचना दी गई थी कि रेल की पटरी खराब है, इसलिये गाड़ी 20 कि.मी. की स्पीड से चल रही थी। इतनी बड़ी दुर्घटना घट जाये, यह सरकार के लिये बहुत ही शर्म की बात है। सरकार इस बात की घोाणा करे कि जिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह दुर्घटना हुई हैं, उन्हें तत्काल निलम्बित करे। उन पर कार्यवाही की जाये और ऐसे अधिकारियों को वहां एक मिनट भी न रखा जाये। मैं यह मांग कर रहा हूंâ€¦ (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान इस ओर भी दिलाना चाहता हूं कि इस दुर्घटना में जिन लोगों की डैथ हुई है, उनके परिवार को 10-10 लाख रुपया मुआवजे के तौर पर दिया जाये, घायलों का पूरा उपचार किया जाये और चोट के हिसाब से घायलों को मुआवजा दिया जाये। जिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह दुर्घटना हुई हैâ€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, ट्रेन दुर्घटना से संबंधित मेरा एडजर्नमेंट मोशन था। आपने शुरु में कहा था कि मुझे मौका देंगेâ€¦ (व्यवधान)

श्री चन्द्रनाथ सिंह : मैं चाहूंगा कि मंत्री जी सदन को बतायें कि भविय में रेल की पटरियों की सुरक्षित रखने के लिएâ€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमारा एडजर्नमैन्ट का नोटिस है, उसका निपादन होना चाहिए। हमने नोटिस दिया हुआ है।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : माननीय रघुवंश जी, आप बैठिये।

श्री चन्द्रनाथ सिंह : अध्यक्ष जी, हम आपके माध्यम से मांग करते हैं कि माननीय मंत्री जी सदन में बताये कि भविय में रेल की पटरियों की अराजक तत्वों से वह कैसे सुरक्षा करेंगे, ताकि कोई तोड़फोड़ न हो। बार-बार इस तरह की दुर्घटनाओं से पैसेंजर्स को बहुत असुविधा हो रही है।

संसदीय कार्य मंत्री तथा संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : अध्यक्ष जी, मेरे पास रेल मंत्री जी की सूचना आ चुकी है कि वे आज 2 बजे इस पर अपना बयान देंगे। वे आज सुबह ही वहां से आये हैं और अथंटीकेट करके ही बयान करना है। इसलिये आज 2 बजे सदन के सामने अपना बयान देंगे।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : हमारा काम रोको प्रस्ताव का नोटिस है।

अध्यक्ष महोदय : रघुवंश जी, मैं आपसे कहूंगा कि आपके एडजर्नमैन्ट नोटिस को मैंने अलाऊ नहीं किया है, लेकिन अभी आप इस विाय पर बोल सकते हैं।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, इसमें सरकार की विफलता स्पट है। यह रीसेन्ट घटना है और लोक महत्व का मामला है। काम रोको प्रस्ताव की मंजूरी के लिए जो नियम कहता है, उन सारी शर्तों को पूरा करते हुए मैंने नोटिस दिया है। इसलिए उस पर पुनर्विचार किया जाए और उस पर बोलने की हमें इजाजत दी जाए। इसमें हमारे क्षेत्र पटना के तमाम लोग मारे गये हैं। ये लोग श्रमजीवी एक्सप्रैस में दिल्ली से पटना जा रहे थे। इसमें हमारे एरिया के लोग मारे गये हैं। जिस रास्ते से ट्रेन जानी चाहिए, उस रास्ते को बदलकर ट्रेन को ले जाया गया। उसमें पुल चौपट था। 1989 में रिपोर्ट दी गई थी कि पुल दुरुस्त किया जाना चाहिए। इसलिए इसमें छानबीन से पता चलता है कि यह सरकार की विफलता है। घटना लोक महत्व की, रीसेन्ट और स्पेसिफिक है। एडजर्नमैन्ट मोशन के लिए चार शर्तों का नियम पालन होना चाहिए और उन चारों शर्तों को हमारा नोटिस पूरा करता है। इसलिए इस पर पुनर्विचार करके काम रोको का प्रस्ताव स्वीकार किया जाना चाहिए। नीतीश कुमार जी ने एक ट्रेन दुर्घटना में रिजाइन किया था, लेकिन तब चुनाव करीब आ गये थे। अभी चुनाव दूर हैं और वे रिजाइन नहीं दे रहे हैं। वह त्यागपत्र क्यों नहीं देना चाहते हैं। हम सदन में उनके त्यागपत्र की मांग करते हैं।

अध्यक्ष महोदय : चिन्मयानन्द स्वामी, आप इनसे एसोसिएट हो सकते हैं, क्योंकि इस विाय पर आपका भी नोटिस है।

श्री चिन्मयानन्द स्वामी (जौनपुर) : अध्यक्ष महोदय, यह दुर्घटना मेरे संसदीय क्षेत्र में घटी है। श्रमजीवी एक्सप्रैस प्राय: लखनऊ से सुल्तानपुर, जौनपुर होकर जाया करती थी। लेकिन इस रूट पर एक मालगाड़ी के पलट जाने के कारण रूट में परिवर्तन हुआ था और ट्रेन फैजाबाद होकर जा रही थी। शाहगंज पार करके मानीकला एक हाल्ट पड़ता है, उसके आगे मेहरावां स्टेशन और खेतासराय के बीच में यह दुर्घटना रात को 3 बजकर 35 मिनट पर हुई है। उसके पहले एक ट्रेन पास हुई थी, उस गाड़ी के साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ। लेकिन जब यह ट्रेन पास हुई तो देखा गया कि वहां फिश प्लेटें खुली हुई थीं। जहां फिश प्लेटें खुली हुई थी वहीं ट्रेन डिरेल हुई है, वहीं पर डिब्बे पटरी से उतरे हैं। जहां तक उस रूट पर स्पीड का प्रश्न है, यह ट्रेन उस रूट पर पहली बार पास हो रही थी। उसकी स्पीड एक्चुअल में क्या थी, यह कहना मुश्किल है। लेकिन जो संदेह व्यक्त किया गया है कि कुछ अराजक तत्वों ने वहां तोड़फोड़ की होगी। मुझे लगता है कि यह राट्रद्रोही तत्वों की हरकत है। क्योंकि वह पूरा एरिया बहुत संवेदनशील है। पहले भी वहां ऐसे लोग पकड़े गये हैं जो पांच सौ रुपये के नकली नोट बनाते थे। वहां कुछ ऐसे लोग भी पकड़े गये हैं जिनका दाउद से संबंध था। वह क्षेत्र बड़ा संवेदनशील है। इसलिए मैं सदन के माध्यम से मांग करूंगा कि इसकी किसी उच्च स्तरीय एजेन्सी से जांच कराई जाए, रेल वे की सुरक्षा इकाई इसकी जांच न करे। इस दुर्घटना में 12 लोगों की मृत्यु हुई है और मृतकों को एक-एक लाख रुपया दिया गया है, जो पर्याप्त नहीं है।â€¦ (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) : चार-चार लाख रुपये दिये गये हैं।

श्री चिन्मयानन्द स्वामी : अभी तक की सूचना एक लाख रुपये प्रति मृतक के परिवारजनों को देने की है।

श्री मदन लाल खुराना : यह रेडियों में आया है और घायलों को 25-25 हजार रुपये दिये गये हैं।

श्री चिन्मयानन्द स्वामी : मेरी मांग है कि मृतकों को पांच-पांच लाख रुपये दिये जाएं। यदि चार लाख अब कर दिये गये हों तो दूसरी बात है तथा जो घायल हुए हैं उन्हें 25 हजार रुपये तथा माइनर घायलों को पांच हजार रुपये प्रति व्यक्ति दिया जाना चाहिए। जो लोग घायल हुए हैं उनका इलाज शाहगंज, जौनपुर तथा बनारस के हैरिटेज अस्पताल में हो रहा है। सभी लोगों का आइडेन्टिफिकेशन हो चुका है। दुर्घटनास्थल पर रेलवे सहायता चार घंटे के अंदर लखनऊ से पहुंच गई थी। डाक्टर्स भी पहुंच गये थे। यहां तक कि मिनिस्टर भी दुर्घटना घटने के 12 घंटे के अंदर मौके पर पहुंच गये। रेलवे के चेयरमैन भी पहुंच गये। इसलिए यह कहना कि इसमें सरकार की लापरवाही है, यह बिल्कुल गलत है। लेकिन घटना बहुत संवेदनशील है और यह हो सकता है कि यह आतंकवादी गतिविधियों के कारण हो। इसलिए मैं मांग करता हूं कि इसकी उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।

MR. SPEAKER: Shri Suresh Ramrao Jadhav.

SHRI S. JAIPAL REDDY : Sir, if you permit, can I make a submission?

MR. SPEAKER: After he completes, I will permit you.